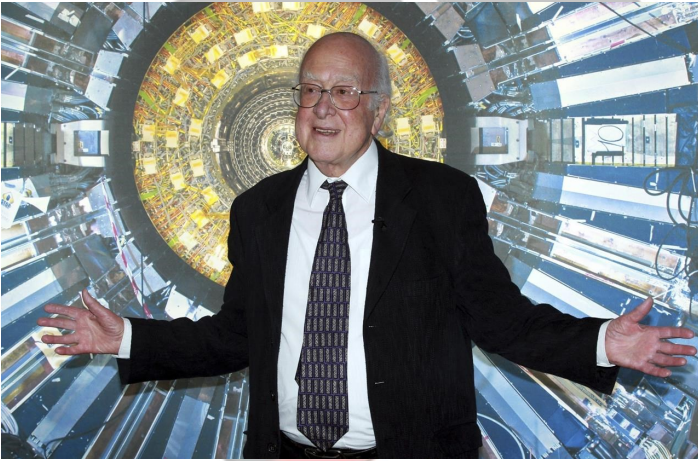


गॉड पार्टिकल या हगिंस बोसॉन

स्रोत: द हद्दि

नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिकी विज्ञानी पीटर हगिंस के हालिया नधिने 1960 के दशक में उनके द्वारा प्रस्तावित रहस्यमय कण की ओर ध्यान आकर्षित किया है, जिसे 'गॉड पार्टिकल' या हगिंस बोसॉन के नाम से जाना जाता है।

- हगिंस बोसॉन, इलेक्ट्रॉनों या क्वार्क के समान एक प्राथमिक कण, अन्य मूलभूत कणों को द्रव्यमान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- पीटर हगिंस ने सबसे पहले 1960 के दशक में हगिंस क्षेत्र और उससे जुड़े हगिंस बोसॉन के अस्तित्व का प्रस्ताव रखा था।
 - हगिंस बोसॉन हगिंस क्षेत्र का क्वांटम उद्दीपन (quantum excitation) है, ऐसा माना जाता है कि यह पूरे ब्रह्मांड में व्याप्त है और अन्य कणों के साथ संपर्क करके उन्हें द्रव्यमान प्रदान करता है।
 - हगिंस बोसॉन की खोज ने कण भौतिकी के मानक मॉडल के रूप में जाना जाने वाला कार्य पूरा किया जो सभी मूलभूत कणों का वर्णन करता है (इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन और बल, जैसे विद्युत चुंबकत्व, गुरुत्वाकर्षण या परमाणु बल जो पृथ्वी के भौतिकी भाग का निर्माण करते हैं)।
 - कण भौतिकी के मानक मॉडल के अनुसार, कण पूरे ब्रह्मांड में मौजूद हगिंस क्षेत्र के साथ संपर्क करके अपना द्रव्यमान प्राप्त करते हैं।
 - एक कण हगिंस क्षेत्र के साथ जितना अधिक मजबूत संपर्क करता है, उतना ही अधिक वह संबंधित क्षेत्र को "स्पर्श (Feel)" करता है, जहाँ वह मौजूद होता है और वह उतना ही अधिक विशाल हो जाता है।
- हगिंस बोसॉन को प्रायोगिक तौर पर 2012 में यूरोपियन ऑर्गेनाइजेशन फॉर न्यूक्लियर रिसर्च के CERN (Conseil Européen pour la Recherche Nucléaire) में लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (Large Hadron Collider - LHC) में खोजा गया था।



और पढ़ें: [भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2023](#)